Prakash College

Name : Aarti. S. Vishwakarma

Class / Div : XII th / A Roll No.: 54

Article Title : रामनवमी

रामनवमी हिन्दुओं का प्रसिद्ध त्योहार है। हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन रामनवमी का त्योहार मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार इसी दिन भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन को रामजन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। राम जी के जन्म पर्व के कारण ही इस तिथि को रामनवमी कहा जाता है। श्री राम को भगवान विष्णु जी के 10 अवतारों में से 7 वां अवतार माना जाता है। भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवनकाल में कई कष्ट सहते हुए भी मर्यादा में रहते हुए मर्यादित जीवन का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों को नहीं त्यागा और मर्यादा में रहते हुए जीवन व्यतीत किया। इसलिए उन्हें उत्तम पुरुष का स्थान दिया गया है। रामनवमी के दिन जगह-जगह घरों और मंदिरों में श्री राम की पूजा-अर्चना की जाती है और झांकियां सजाई जाती हैं। सभी लोग त्योहार का हर्ष व उल्लास साथ मनाते हैं।

रामनवमी के त्योहार को 9 दिन तक मनाया जाता है। इन 9 दिनों में रामनवमी मनाने वाले सभी हिन्दू भक्त रामचरितमानस का अखंड पाठ करते हैं और साथ ही मंदिरों और घरों में धार्मिक भजन, कीर्तन और भक्ति गीतों के साथ पूजा आरती की जाती है। ज्यादातर भक्त रामनवमी के 9 दिनों के प्रथम और अंतिम दिन पूरा दिन व्रत रखते हैं।

Name : Sandhya yadav

Class / Div : 12 A Roll No.: 94

Prakash College

Article Title : हनुमान जयंती

हनुमान जयंती

हनुमान जयंती प्रभु श्री हनुमान के जन्म दिन पर मनाया जाता है, श्री हनुमान जी भगवान श्री राम के बहुत बड़े भक्त हैं। हनुमान जयंती के दिन सभी हनुमान मंदिरो में बहुत अधिक मात्रा में लोग दर्शन करने आते है, हनुमान जयंती हनुमान भक्तों द्वारा एक महत्वपूर्ण त्योहार के रूप में बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाई जाती है, यह एक ऐसा उत्सव है जो सांस्कृतिक और परंपरागत तरीके से मनाया जाता है, लोग प्रभु हनुमान जी की पूजा उनके प्रति आस्था, शक्ति और प्रेम के रूप में करते हैं, कुछ लोग हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं, क्योंकि यह बुरी शक्तियों का विनाश करने और मन को शांति प्रदान करने की क्षमता रखती है, जैसा कि सभी जानते हैं कि, हनुमान जी का जन्म वानर समुदाय में लाल-नारंगी शरीर के साथ हुआ था, इसी कारण सभी हनुमान मंदिरों में लाल-नारंगी रंग की हनुमान जी की मूर्ति होती है, पूजा के बाद, लोग अपने मस्तिष्क (माथे) पर प्रसाद के रूप में लाल सिंदूर लगाते हैं और भगवान हनुमान जी से माँगी गई अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए लोग लड्डू के प्रसाद का वितरण करते हैं, भगवान हनुमान को तीनों लोकों में सबसे शक्तिशाली भगवान माना जाता है, कहते हैं यदि कलयुग में कोई ईश्वर इस धरती पर है, तो वो केवल परम राम भक्त श्री हनुमान ही हैं, श्री हनुमान को भक्त शिरोमणि भी कहा जाता है,

हनुमान जयंती को भगवान हनुमान के जन्मदिन के रूप मे मनाया है,

Name: Tanushri Yashavant Mandavkar

Class / Div: SYJC Roll No.: 81

Article Title: महात्मा बसवेश्वर महाराज

महात्मा बसवेश्वर महाराज हे कर्नाटकातील संत, समाजसुधारक होते. त्यांनी हिंदू धर्मातिलजातिव्यवस्थेविरुद्ध व अन्य हनिकारक प्रथांविरुध्द संघर्ष केला. त्यानी निर्गुण निराकार एकेश्वरवादी श्रध्देचा पुरस्कार केला. शालिवाहन शके दहाव्या शतकात कर्नाटकातील विजापुर जिल्हयातील इंगळेश्वर - बागेवाडी या गावात ११०५ साली प्रतिष्ठित वीरशैव कुटुंबात बसवेश्वरांचा जन्म झाला. काहींच्या मते तो इंगळेश्वर (जि. विजापुर) या गावी झाला असावा. त्याच्या जन्मकाळाविषयी मतभेद असले, तरी सामान्यत: त्याचा जन्म वैशाखातील अक्षय्य तृतीयेला झाल्याचे मानले जाते. त्याचे वडील मणिराज उर्फ मादरस हे बागेवाडी आगाराचे भंडारप्रमुख होते. त्यांच्या पत्नी मादलांबा (मादंबा) परम शिवभक्त होत्या. बसवेश्वरांच्या भावाचे नाव देवराज व बहिणीचे नाव नागम्मा होते. बसवेश्वर कर्मठ विधींना विरोध करत. त्यांनी वयाच्या आठव्या वर्षी मुंजीची तयारी झाल्यावर 'मला आधीच लिंगदीक्षा मिळाली आहे' असे म्हणून मुंज करून घ्यायचे नाकारले आणि घर सोडुन ते कुडलसंगम (जि. विजापुर) येथे निघुन गेले. कृष्णा व मलप्रभा या नद्यांच्या संगमावरील कुडलसंगम येथे मोठे अध्ययन केंद्र होते. तेथे बसवेश्वरांनी बारा वर्षे वास्तव्य केले. कुडलसंगम येथे त्यांनी वेगवेगळ्या भाषा, धर्म, तत्वज्ञान इत्यादींचा अभ्यास केला. त्यांचा विवाह त्यांच्या मामाच्या मुलीशी झाला. तेव्हा ते सोलापुरातील मंगळवेढा येथे आले. तेथे ते एकवीस वर्षे राहिले.

Prakash College

Name : Diksha N Jadhav

Class / Div : XII / A Roll No.: 24

Article Title : बौद्ध धर्म

बौद्ध धर्म

गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। उन्होंने कहा कि दुख को दूर करने के लिए चार आर्य सत्य हैं। उन्हें गया में निरंजना नदी के किनारे एक पीपल के पेड़ के नीचे रखा गया था। उनके जन्मदिन को श्रीलंका, नेपाल, भूटान, चीन आदि देशो मे बुद्ध पूर्णिमा के रूप मे मनाया जाता है

गौतम बुद्ध ने दुःख से संबंधित चार आर्य सत्य बताए है। दुख इस दुनिया मे हर जगह है, दुखो मे, जन्मो में, इच्छाओ की पूर्ति मे, किसी से अलग होने मे। दुःख दुःख का कारण है। सांसारिक कष्टो से छुटकारा पाने के लिए भगवान गौतम बुद्ध ने अष्टांगिक मार्ग [अष्टकोवीय पथ] के बारे मे बताया है।

बुद्ध पूर्णिमा बौद्ध धर्म के अनुयायियो के लिए सबसे बडा त्योहार है। इसे 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख महीने की पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा के रूप मे मनाया जाता है। इसलिए इसे "वैशाख पूर्णिमा" भी कहा जाता है।

बौद्ध धर्म के अनुयायी बुद्ध पूर्णिमा को पूरी दुनिया मे बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। हिंदू धर्मशास्त्रियो के लिए विष्णु के नौवे अवतार है। इसलिए इस दिन को हिंदुओ के लिए भी पवित्र माना जाता है।

इस दिवस को समारोह आयोजित किए जाते है। बुद्ध पूर्णिमा पर, बौद्ध घरो और मंदिरो दिए जलाए जाते है। और घरो को फूलो से सजाया जाता है। बौद्ध धर्म के ग्रंथो का निरंतर पाठ किया जाताता है।

Prakash College

Name : Prajakta Raghunath Karambele.

Class / Div : SYJC / B Roll No.: 68

Article Title : डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर

बाबासाहेब आंबेडकर म्हणून ओळखले जाणारे डॉ भीमराव रामजी आंबेडकर हे एक विद्वान शास्त्रज्ञ, समाजसुधारक व राजकारणी होते. त्यांना भारतीय राज्यघटनेचे जनक म्हटले जाते. एक सुप्रसिद्ध राजकारणी आणि एक प्रतिष्ठित न्यायवैज्ञानिक, अस्पृश्यता आणि जातिभेद यांसारखे सामाजिक दुष्टता नष्ट करण्याचे त्यांचे प्रयत्न उल्लेखनीय होते. संपूर्ण आयुष्यभर त्यांनी दलित आणि इतर सामाजिक दृष्ट्या मागासवर्गीयांच्या हक्कांसाठी लढले.

आंबेडकरांना जवाहरलाल नेहरूंच्या मंत्रिमंडळात भारताचे पहिले कायदा मंत्री म्हणून नियुक्त करण्यात आले. 1990 मध्ये त्यांना मरणोत्तर भारतरत्न भारतीय सर्वोच्च नागरी सन्मान प्रदान करण्यात आला. 1954 ते 1995 पासून आंबेडकर मधुमेह आणि दुर्बल दृष्टीसह गंभीर आरोग्य समस्यांपासून ग्रस्त होते. 6 डिसेंबर 1956 रोजी दिल्लीत त्यांच्या घरी निधन झाले. आंबेडकरांनी आपला धर्म म्हणून बौद्ध धर्म स्वीकारला, त्यांच्यासाठी बौद्ध शैलीतील अंत्यसंस्कार करण्यात आले. सभा समारंभात शेकडो समर्थक, कार्यकर्ते आणि प्रशंसक उपस्थित होते.

आज समाज त्यांना बाबासाहेब म्हणतो, इंग्रजी राजवट असताना देखील ते मंत्रीमंडळात होते आणि स्वातंत्र्य मिळाल्यानंतरही ते मंत्रीमंडळात होते. तेथून परत आल्यानंतर राजा छत्रपती शाहू महाराज कोल्हापुर त्यांनी त्यांना या देशातील दलितांचे उद्धारकर्ते म्हणून पुढे केले आणि खुप मदत केली. या महामानवाचे महानिर्वाण 6 डिसेंबर १९५६ रोजी मुंबईत झाले.

Name : Kaanan Kulkarni

Class / Div : 12th A Roll No.: 41.

Article Title : डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर

Prakash College

डॉ बाबासाहेब आंबेडकर

भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर हे भारतीयासाठी एक आदर्श व्यक्तिमत्व आहे. त्यांचे पूर्ण नाव भीमराव रामजी आंबेडकर हे होते. डॉ बाबासाहेब आंबेडकरांचा जन्म १४ एप्रिल १८९१ रोजी मध्यप्रदेशातील महू या गावी झाला. त्यांच्या वडिलांचे नावे रामजी तर आईचे नाव भीमाबाई हे होते.

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर लहानपणापासून खुप हुशार व महत्वाकांक्षी होते. ते शालेय जीवनात १८ तास अभ्यास करत असत. त्यांनी बडोद्याचे महाराज सयाजीराव गायकवाड यांच्या आर्थिक साहाय्याने परदेशात जाऊन एम.ए; पी एच.डी. या अर्थशास्त्र विषयात पदव्या मिळवल्या व बरिस्टर बनले.

डॉ बाबासाहेब आंबेडकरांना आपण माजसाला माणूसपण मिळवून देणारे अलौकिक व्यक्तिमत्व म्हणून ओळखतो. महाड सत्याग्रह, काळाराम मंदिर प्रवेश, मनुस्मृती दहन, हिंदु कोड केली स्त्री वर्ग, शोषकरी, मजूर, पददलित, समाजाला त्यांनी समतेची वाट दाखवून दिली.

डॉ बाबासाहेब आंबेडकरांनी भारतातील जातिव्यवस्थे-विरुध्द जोरदार लढा दिला. त्यांनी १४ ऑक्टोंबर १९५६ रोजी आपल्या लक्षावधी अनुयायांसह 'बौध्द धर्म' स्वीकारला. विश्वरत्न डॉ. बाबासाहेबांनी 'शिका, संघटित व्हा व संघर्ष करा' हा अमूल्य संदेश समाजाला दिला. डॉ. बाबासाहेब हे भारताचेच नाही तर या विश्वाचे महामानव आहेत. जयंती आपण दरवर्षी १४ एप्रिलला 'आंबेडकर जयंती' व पुण्यतिथी ६ डिसेंबरला महापरिनिर्वाण दिन' म्हणून साजरी करतो. ते आपल्यासाठी प्रेरणास्थान आहेत.

Name : Emran J. Ansari

Class / Div : XII[th] / A Roll No.: 93

Prakash College

Article Title : रमजान

इस्लाम धर्म के लिए रमजान या रमदान को पवित्र महिना माना जाता है। इस पवित्र महीने में इस्लाम में आस्था रखने वाले लोग नियमित रूप से रोजे यानि (उपवास) रखते हैं। इस दौरान दिनभर कुछ भी खाना या पीना मना होता है। रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौंवा महिना होता है और इस धर्म में चाँद को सबसे ज्यादा महत्व दिया जाता है। इबादत करना, रोजा रखना, भोजन करवाना और आपसी मेल मिलाप बनाये रखना इस त्यौहार की प्रमुख विशेषता है।

रमजान का महीना सभी मुसलमानों भाइयों और बहनों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण महीना होता है। इससे इंसानो को बहुत कुछ सिखने को भी मिलता है। लोग अपनी रोजमर्रा के कामों को करते हुए अल्लाह की इबादत करना भूल जाते हैं या समय नहीं निकाल पाते हैं। रमजान का महिना अल्लाह के बंदो को याद दिलाता है की ये जिन्दगी उस खुदा की नेमत है, कुछ समय उसकी इबादत के लिए भी निकाल लें ताकि खुदा का रहम हम सभी इंसानों पर बना रहे।

इस्लाम के तहत रमजान के वक्त सभी मुसलमानो को अपनी जिंदगी के मकसद को फिर से समझने की कोशिश करते हैं। अगर किसी ने हमारे साथ गलत किया है तो भी उन्हें माफ कर देना चाहिए।

Prakash College

Name : Choudhary Prerna Santosh.

Class / Div : XII / A Roll No.: 18

Article Title : Festivals of India.

India is the country where most numbers of festivals celebrated in the whole world. There are various types of festivals like cultural, religious, national festivals etc. India has 3 national festivals as Independence Day, Republic Day and Gandhi Jayanti.

Festivals from different religions reflect different customs and traditions of that religion. Every religion in India exhibits equal value in society from every aspect. Festivals bring a moment of Joy in our life and make us to be together to celebrate.

All the festivals in India are celebrated with being neat and clean and making the houses also clear. Children of any religion are seen to be most enthusiastic for the upcoming festivals. Also the students wait for the festivals as they get holiday to meet their family. The best thing in India is that not the festivals is only celebrated by the people associated with it but also it is celebrated by the people of other religions as well.

* "Festivals in India celebrate the unity in diversity of the country."

Every year India celebrates hundreds of festivals across different religions.

Prakash College

Name : Shivani Vinod Shah

Class / Div : 12th / A Roll No.: 53

Article Title : RAM NAVAMI

Ram Navami is a Spring Hindu festival which is celebrated on the Occasion of the birthday of Lord Rama. The festival is celebrated in the Chaitra month of the Hindu calendar and in the month of March and April according to the Gregorian Calendar.

Lord Rama has the credit of killing the demon king of Lanka "Ravana" who abducted Sita, the wife of Lord Rama when they were facing the order of spending fourteen years in Jungle. Lord Rama is also known as "Maryada Purushottam" which means he knows his limits and he is the best among all the men on this earth. Ram Navami celebrates the birth of Lord Ram and shows how his greatness helped him to Conquer all the difficulties of life.

The life and legacy of Lord Rama tells us that one should not lose patience and make his deeds good as well his character strong and god will definitely help them under all the odd circumstances. The people who are the devotee of Lord Ram consider him as a Supreme Lord of this universe and he is the only one who can make us free from all the troubles and make their life happy. Along with Ram people also seek the blessings of Lord Hanuman who is known as 'Ram Bhakta' the Supreme devotee of Lord Rama.

Prakash College

Name : SAKSHI . KOBNAK

Class / Div : 12th/C Roll No.: 76

Article Title : Cybex Crime

CYBER CRIME

Every yeax thousand of boys and girls become victims of cybex cxeep. Remembex the helpful tips.

DON'T BE FOOLED

Cybex cxeep pxetend to be someone else to gain txust and get youx pxivate info

REMEMBER

NEVER GIVE AWAY :-

- Youx NAME
- Youx PHONE NUMBER
- Youx ADDRESS
- Youx PASSWORD
- Youx PARENT'S NAME

Cybex cxeeps can use this info to find you.

!! BE SMART !!

NEVER :-

- Agxee to meet face to face
- Send pictuxe of youxself
- Respond to txoubling Email

!! BE ALERT !!

Name : Shreya Yadav.

Class / Div : 12 A Roll No.: 95

Prakash College

Article Title : Buddhism

Buddhism

Gautam Buddha is Popularly called Lord Buddha or the Buddha. He was a great and religious leader of ancient India. He is regarded as the founder of Buddhism, which is one of the most followed religions in the world today.

The followers of Buddha are now called Buddhists which means the enlightened beings, the ones who have rediscovered the Path to the freedom starting from ignorance, craving to the cycle of rebirth and suffering Buddha himself propagated it for nearly 45 years.

His teachings are based on his insights of suffering and dissatisfaction ending in a state called Nirvana.

Gautam Buddha is considered to be one of the greatest religious Preachers in the world. He was the Preacher of Peace and harmony. In this Gautam Buddha essay, You will epic find one long and short piece about the epic religious guru followed by Many.

Prakash College

Name : Sweeti Dilip Mandal

Class / Div : A, 11th Roll No.: 27

Article Title : All About Ramadan

Ramadan is a holiday celebrated by the Muslim people. Ramadan lasts for one month. During the month people do not eat or drink From sunrise to sunset. They do this to remember all the blessings in their life. At sunset, people pray, and eat good food with family.

Ramadan is a time to give to others, this is called charity. People donate food, money, toys, clothes and lots of other things.

After the Ramadan month is completed, everyone celebrates a big holiday called Eid on eid, people wear nice clothes, pray, eat good food, give presents and money.

Prakash College

Name : Rakesh Kumar Bholaprasad Sahu

Class / Div : A / 12 Roll No.: 73

Article Title : Board Exams

Title = Board Exam

Board exams play a vital role in shaping the future career of any student as the grades which a student is able to secure in the Board Exams essentially shape the future prospects for the student.

Our education system is such that the student is rarely aware of the syllabus. They tend to follow the directions which their tend to teachers give them throughout the 10 years of their school lives. However the situation is bit different in class 10th and the student needs to be aware of the exact syllabus which they need to follows

A better way is to consult your teachers on the exact Syllabus format or get the copy of the same from the website of the concerned school board, be it Central Board for School Education (CBSE) or any other regional Board.